भारत सरकार

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 572

बुधवार, दिनांक 23 जुलाई, 2025 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>सौर ऊर्जा को एलडीईएस के साथ संयोजित करना</u>

572. श्री वी. वैथिलिंगनः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का निरंतर, विश्वसनीय और किफायती नवीकरणीय ऊर्जा सुनिश्चित करने के लिए सौर ऊर्जा को दीर्घावधि ऊर्जा भंडारण (एलडीईएस) के साथ संयोजित करने की परिवर्तनकारी क्षमता पर बल देने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) से (ग): पवन और सौर ऊर्जा से प्राप्त नवीकरणीय विद्युत अस्थिर और अनिरंतर प्रकृति की होती है। दीर्घावधि ऊर्जा भंडारण (एलडीईएस) सहित ऊर्जा भंडारण प्रणालियां, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से अनिरंतरता और अस्थिरता को दूर करके तथा विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करके ग्रिड स्थिरता बढ़ाती हैं। सरकार ने एलडीईएस सहित ऊर्जा भंडारण प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:

i. ऊर्जा भंडारण प्रणालियों को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए एक राष्ट्रीय फ्रेमवर्क प्रकाशित किया गया।
ii. ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के साथ अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन प्रणाली शुल्कों पर छूट प्रदान की गई।
iii. लगभग 43 गीगावाट घंटे की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के विकास के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण को स्वीकृति दी गई।
iv. 'ग्रिड स्थिरता और किफायतता बढ़ाने के लिए सौर विद्युत परियोजनाओं के साथ ऊर्जा भंडारण प्रणालियों को सह - स्थापित करने पर एड्वाइजरी' जारी की।

*****